समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Friday, 25 September 2026

पाकिस्तान-बांग्लादेश के साथ चीन का नया त्रिपक्षीय गठबंधन ! भारत की बढ़ी रणनीतिक चिंता ।

Publisher

Published on 21 Jun 2025

कुनमिंग मे हुंई ऐतिहासिक त्रिपक्षीय बैठक मे व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य और संपर्क बढ़ाने पर बनी सहमति — भारत के लिए यह कूटनीतिक संकट का संकेत ?

नई दिल्ली : भारत के लिए सामरिक और कूटनीतिक दृष्टि से एक नई चुनौती उभरती दिख रही है। **चीन ने पहली बार पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ त्रिपक्षीय बैठक** का आयोजन किया, जिससे **दक्षिण एशिया** में **भारत के प्रभाव** को लेकर सवाल उठने लगे हैं। यह बैठक **चीन के युन्नान प्रांत के कुनमिंग मे 19 जून 2025** को आयोजित हुई।

क्या हुआ त्रिपक्षीय बैठक मे ?

बैठक में **चीन, पाकिस्तान और बांग्लादेश** के व**रिष्ठ विदेश अधिकारी** शामिल हुए और उन्होंने **व्यापार, निवेश, स्वास्थ्य, शिक्षा, समुद्री सहयोग और क्षेत्रीय संपर्क** को मजबूत करने पर सहमति जताई।

चीन के उप विदेश मंत्री **सुन वेइदोंग,** बांग्लादेश के कार्यवाहक **विदेश सचिव रूहुल आलम सिद्दीकी** और पाकिस्तान के एशिया-प्रशांत विभाग के अतिरिक्त **सचिव इमरान अहमद सिद्दीकी** के साथ-साथ विदेश सचिव अमना बलोच इस वार्ता में मौजूद रहे।

बैठक में निर्णय लिया गया कि इन सहमतियों को लागू करने के लिए **एक विशेष कार्यसमूह (वर्किंग ग्रुप) बनाया जाएगा**।

भारत क्यों हुआ सतर्क ?

भारत के लिए यह बैठक इसलिए चिंताजनक मानी जा रही है क्योंकि:

१. **बांग्लादेश और पाकिस्तान के रिश्तों मे तेजी से सुधार हो रहा है।**

२. **चटगांव बंदरगाह से पाकिस्तान के जहाज भेजे जाने की खबरे सामने आई है।**
३. **भारत के पूर्वोत्तर राज्यों के लिए बांग्लादेश एक रणनीतिक जीवनरेखा है।**
४. **चीन की आर्थिक घुसपैठ और रणनीतिक घेराबंदी की आशंका को बल मिला है।**

विशेषज्ञों के अनुसार, चीन की यह पहल भारत की '**नेबरहुड फर्स्ट नीति**' को चुनौती देने का संकेत है।

क्या है गुप्त कनेक्शन ?

यह भी माना जा रहा है कि पाकिस्तान की **खुफिया एजेसी ISI** और सैन्य नेतृत्व ने बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री **शेख हसीना** की सत्ता से विदाई में भूमिका निभाई थी। उसके बाद चीन ने अंतरिम सरकार के साथ संपर्क तेज कर दिया है, खासकर **आर्थिक** और **कनेक्टिविटी प्रोजेक्ट्स** के माध्यम से।

क्षेत्रीय समीकरणों मे बंड़ा बदलाव ?

इस त्रिपक्षीय बैठक को सिर्फ एक कूटनीतिक मुलाकात नहीं, बल्कि दक्षिण एशिया में **नए रणनीतिक समीकरणों की शुरुआत** के रूप में देखा जा रहा है। यह भारत के लिए:

सुरक्षा नीति, विदेश नीति, समुद्री रणनीति,

इन तीनों मोर्चों पर **नई चुनौती** पैदा कर सकती है।

ऐसी ही देश और दुनिया की बड़ी खबरों के लिए फॉलो करें: www.samacharwani.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.